प्रणब मुखर्जी
PRANAB MUKHERJEE

वित्त मंत्री, भारत
FINANCE MINISTER
INDIA

संदेश

भारत एक विशाल और अनेक समृद्ध भाषाओं की भूमि है। किसी भी देश का भाषायी विकास उसके सामाजिक-आर्थिक और प्रौद्योगिकीय विकास पर निर्भर करता है। उन्नत प्रौद्योगिकी का फायदा जन-जन तक पहुँचाने के लिए एक ऐसी भाषा की आवश्यकता होती है जो अधिकांश लोगों द्वारा बोली एवं समझी जाती हो। हिंदी हमारे देश में सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा है और यह हमारे राष्ट्र की अखण्डता और एकता की प्रतीक है। संविधान में हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया है। भारत जैसे सांस्कृतिक, भौगोलिक व भाषाई विविधता वाले देश की सामाजिक और आर्थिक तरक्की में हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं की अहम् भूमिका है।

आइए, 14 सितम्बर को ***हिन्दी दिवस*** के पावन अवसर पर हम यह संकल्प लें कि सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। मैं, वित्त मंत्रालय तथा इसके सभी नियंत्रणाधीन कार्यालयों, उपक्रमों, बैंकों, वित्तीय संस्थाओं व बीमा कंपनियों आदि के अधिकारियों और कर्मचारियों से अनुरोध करता हूँ कि वे राजभाषा हिंदी का सम्मान करते हुए सरकारी कामकाज में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करें। इस तरह हम न केवल अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वहन करेंगे अपितु जनसाधारण से भी अधिकाधिक निकटता बनाए रखने के लोकतांत्रिक दायित्व को भी पूरा कर सकेंगे।

हिन्दी दिवस के अवसर पर मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

प्रणब मुखर्जी.
(प्रणब मुखर्जी)

Office : Room No. 134, North Block, New Delhi-110001 Ph. : 23092810, 23092510 Fax : 23093289
Residence : 13, Talkatora Road, New Delhi Tel. : 23737623, 23323042, 23737658